

M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)

Term-End Examination

June, 2013

**MESE-059 : TEACHER EDUCATION IN INDIA :
GROWTH AND DEVELOPMENT**

Time : 3 hours

Maximum Weightage : 70%

-
- Note :** (i) *All questions are compulsory.*
(ii) *All questions carry equal weightage.*
-

1. Answer the following question in about **600** words.

Explain in detail the aims and objectives of teacher education at different levels of schooling. Also discuss the scope of teacher education in emerging Indian school education system.

OR

Evaluate the role and scope of continuing education in promoting quality teacher education at the secondary school stage. Also describe the role of major agencies of continuing education in India in this context.

2. Answer the following question in about **600** words.

State the general objectives of teacher education and relate them to the structure of teacher-education curriculum at different stages of school-education.

OR

What are the major priority areas of research in the field of teacher education ? Analyse critically the progress of research in this area conducted in India. Suggest some measures to improve the situation.

3. Answer *any four* of the following questions in about **150** words each.
- (a) Differentiate between 'education' and 'training' by giving suitable examples.
 - (b) Elaborate the recommendations of Kothari Commission (1964-66) on removal of isolation of teacher education institutions.
 - (c) Discuss with examples the role of in-service teacher education in school system.
 - (d) Explain the role of micro-teaching in the training of school teachers.
 - (e) Clarify the functions of DIETs in elementary education in India.
 - (f) What is meant by IASE ? Discuss the purpose of creation of these institutions. Evaluate their overall performance.

4. Answer the following question in about 600 words.

The "National Council of Teacher Education", as a quality control mechanism, has failed to discharge its functions. Do you agree or disagree with it? Critically examine this statement and give your own opinion.

एम.एड. (शिक्षा में स्नातकोत्तर)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2013

एम.ई.एस.ई-059 : भारत में अध्यापक शिक्षा :

संवृद्धि और विकास

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

नोट : (i) सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं।

(ii) सभी प्रश्नों की भारिता समान हैं।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।

विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर अध्यापक शिक्षा के लक्ष्यों एवं उद्देश्यों की विस्तार से व्याख्या कीजिए। भारत में उभरती हुई भारतीय विद्यालयी-शिक्षा व्यवस्था में अध्यापक शिक्षा के कार्यक्षेत्र की भी चर्चा कीजिए।

अथवा

माध्यमिक विद्यालय स्तर पर गुणात्मक अध्यापक शिक्षा के प्रोन्नयन में सतत शिक्षा की भूमिका एवं कार्यक्षेत्र का मूल्यांकन कीजिए। इस सन्दर्भ में भारत में सतत शिक्षा के प्रमुख अभिकरणों की भूमिका का भी वर्णन कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।
अध्यापक शिक्षा के सामान्य उद्देश्यों को बताइये और विद्यालय-शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर अध्यापक-शिक्षा की पाठ्यचर्या के ढाँचे के साथ उनका सम्बन्ध स्थापित कीजिए।

अथवा

अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में अनुसन्धान के मुख्य प्राथमिक क्षेत्र कौन से हैं? भारत में इस क्षेत्र में संचालित अनुसन्धान की प्रगति का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए। स्थिति को सुधारने के लिए कुछ उपाय सुझाइये।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में) दीजिए।
- उचित उदाहरण देते हुए 'शिक्षा' और 'प्रशिक्षण' में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
 - अध्यापक शिक्षा संस्थानों के वियोजन/अलगाव (Isolation) के निराकरण (Removal) पर कोठारी आयोग (1964 - 66) की संस्तुतियों की विशद विवेचना कीजिए।
 - विद्यालय व्यवस्था में सेवारत (In-service) अध्यापक-शिक्षा की भूमिका की सोदाहरण चर्चा करें।
 - विद्यालय-शिक्षकों के प्रशिक्षण में सूक्ष्म-शिक्षण की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

- (e) भारत में प्रारंभिक शिक्षा में मण्डलीय शिक्षा प्रशिक्षण संस्थानों (DIETs) के कार्यों को स्पष्ट कीजिए।
- (f) इन्स्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन एजुकेशन (आई.ए.एस.ई.) से क्या तात्पर्य है? इन संस्थानों के सृजन के उद्देश्यों की चर्चा कीजिए। इनके समग्र निष्पादन का विश्लेषण कीजिए।
4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।
- “राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एन.सी.टी.ई.)” एक गुणवत्ता नियन्त्रण-तन्त्र के रूप में अपने कार्यों के सम्पादन में असफल रही है। आप इससे सहमत हैं या असहमत हैं। इस कथन का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए और अपनी स्वयं की राय दीजिए।
-